पाठ-11

आपको बचाने के लिए परमेश्वर ने अपना मेम्ना भेजा

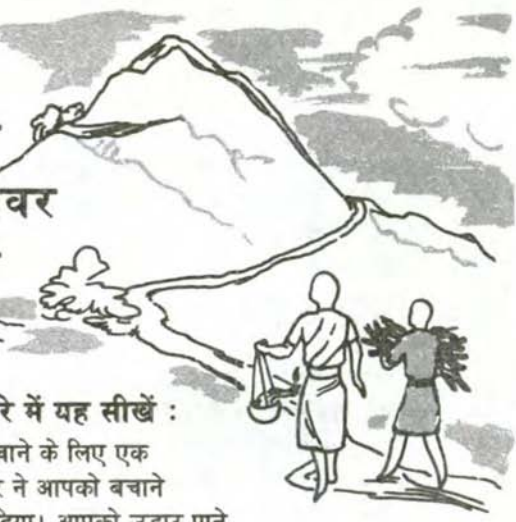

परमेश्वर के बारे में यह सीखें :

परमेश्वर ने इसहाक को बचाने के लिए एक मेम्ना भेज दिया। परमेश्वर ने आपको बचाने के लिए अपना मेम्ना भेज दिया। आपको उद्धार पाने (बचाए जाने) के लिए परमेश्वर के मेम्ने को ग्रहण करना है।

इसे अपनी बाइबल में से पढ़ें

इसे पाँच बार ज़ोर-ज़ोर से पढ़ें :

"इसहाक ने कहा.....देख, आग और लकड़ी है; परन्तु होमबलि के लिए भेड़ कहाँ है?" इब्राहीम ने कहा."हे मेरे पुत्र,परमेश्वर होमबलि की भेड़ का उपाय आप ही करेगा।" उत्पत्ति 22:7,8. "दूसरे दिन यूहन्ना ने यीशु को अपनी ओर आते देखकर कहा, "यह परमेश्वर का मेम्ना है, जो जगत का पाप उठा ले जाता है।" यूहन्ना 1:29.

क्या आप यह कर सकते हैं?

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखें।

1. "भेड़ कहाँ है," यह किसने कहा? .....
2. "परमेश्वर भेड़ का उपाय आप करेगा। यह किसने कहा? .....
3. "यह परमेश्वर का मेम्ना है" यह किसने कहा? .....

उत्तर

1. इसहाक ने कहा, "भेड़ कहाँ है।"
2. इब्राहीम ने कहा, "परमेश्वर भेड़ का उपाय आप करेगा।"
3. यूहन्ना ने कहा, "यह परमेश्वर का मेम्ना है।"

शब्द जिन्हें आपको जानना चाहिए

पाप के लिए बलिदान का अर्थ है पशु या व्यक्ति जो कि व्यक्ति द्वारा किये गये पाप-अपराध के दण्ड को अपने ऊपर ले लेता है।

होमबलि वह बलिदान है जिसमें बलि को मारा जाकर वेदी पर जला दिया जाता है।

वेदी वह स्थान है जिस पर बलि का बलिदान चढ़ाया जाता है। पत्थरों का ढेर लगाकर बहुत सी वेदियाँ बनाई गई थीं।

इसहाक को बचाने के लिए परमेश्वर ने एक मेम्ना भेजा

चिन्ह के सब शब्दों को रेखांकित करें:

एक दिन परमेश्वर ने इब्राहीम से कहा: "अपने पुत्र को ले जा। पर्वत पर जा। इसहाक को मेरे लिए बलि चढ़ा।"

इब्राहीम नहीं जानता था कि परमेश्वर न क्यों उसे ऐसा करने के लिए कहा। इब्राहीम नहीं जानता था कि परमेश्वर उसके प्रेम की परीक्षा कर रहा था। और परमेश्वर इब्राहीम और इसहाक को कुछ सिखाना चाहता था। *परमेश्वर हमें भी पाप के लिए अपने बलिदान के विषय में सिखाना चाहता है।*

इब्राहीम दुखित मन लेकर पवत पर गया। इब्राहीम इसहाक को प्यार करता था। परन्तु इब्राहीम तो परमेश्वर की आज्ञा मान रहा था। इसहाक ने लकड़ियाँ ले चलने में सहायता की।

इब्राहीम दुःखी होकर पर्वत पर चढ़ने लगा। इब्राहीम, इसहाक से प्रेम करता था। परन्तु इब्राहीम तो परमेश्वर की आज्ञा मानकर जा रहा था। इसहाक ने लकड़ियाँ ले जाने में सहायता की। इसहाक ने पूछा, "होमबलि चढ़ाने के लिए मेम्ना कहाँ है?" इब्राहीम ने उत्तर दिया, "परमेश्वर स्वयं मेम्ने का प्रबन्ध करेगा।"

इब्राहीम और इसहाक ने एक वेदी बनाई। इब्राहीम ने इसहाक को वेदी पर लिटा दिया। इसहाक तो अब मरने ही वाला था।

परन्तु परमेश्वर इसहाक से भी प्रेम करता था।
परमेश्वर नहीं चाहता था कि इसहाक मर जाए।
परमेश्वर के पास एक और बलिदान था जो इसहाक के स्थान पर मर सकता था।
इब्राहीम ने इसहाक को बलि करने के लिए चाकू ऊपर उठाया।
परन्तु ठीक उसी समय परमेश्वर ने स्वर्ग में से इब्राहीम को पुकारा
"इब्राहीम! ठहर! अपने पुत्र को
मत मार! अब तू मुझसे प्रेम करता है।"

तब परमेश्वर ने इब्राहीम को कंटीली झाड़ी में फंसी एक भेड़ दिखाई। इसहाक का स्थान लेने के लिए ही परमेश्वर ने इस भेड़ का प्रबन्ध किया था उस वेदी पर वह भेड़ मारी गई। इसहाक स्वतंत्र था और अब वह जी सकता था।

आपको बचाने के लिए परमेश्वर ने अपने पुत्र को भेज दिया।

जो लोग पाप करते हैं स्वर्ग को नहीं जा सकते। जब वे मर जाते हैं तो वे नरक को जाते हैं—जो एक भयानक स्थान है। परन्तु परमेश्वर ने हमसे प्रेम किया और हमें स्वर्ग में ले जाना चाहता है। परमेश्वर ने हमारी जगह

मरने के लिए अपने इकलौते पुत्र यीशु मसीह को भेज दिया, ठीक जैसे कि उसने इसहाक के स्थान पर मरने के लिए एक भेड़ को भेज दिया था। *यीशु परमेश्वर का मेम्ना है जो इसलिए मरा कि जगत के पाप उठा ले जाये।* बाद में वह फिर जीवित हो उठा। आप यीशु को देख तो नहीं सकते, परन्तु वह ठीक आपके पास है। यीशु आपसे प्रेम करता है और आपकी सहायता करना चाहता है।

उद्धार पाने के लिए परमेश्वर के पुत्र को अवश्य ही ग्रहण कीजिए।

अब आपको बलि वेदी पर चढ़ाने की आवश्यकता नहीं है।
आपको केवल इतना करना है कि अपने लिए बलिदान के रूप में परमेश्वर के पुत्र को ग्रहण करना है।
यीशु आपका उद्धारकर्ता होगा—एक वह जो बचाता है।
यीशु आपके पाप आपसे दूर करेगा।
यीशु को अपना उद्धारकर्ता स्वीकार कर लें। तब आप स्वर्ग में जा सकते हैं।
इस प्रार्थना को करें। तब अपने शब्दों
में परमेश्वर से बातचीत करें :

प्रार्थना
हे परमेश्वर—अब मैं आपके पुत्र को ग्रहण करता हूँ जो
मेरे लिए मरा— मेरे पाप दूर कर देने के लिए एक बलिदान बना।
यीशु क साथ जो मेरा उद्धारकर्ता है।
अब मैं स्वतंत्र हूँ।
आज मुझे बचाने, उद्धार देने के लिए मैं आपका
धन्यवाद करता हूँ।